ऋचा चड्ढा की 'मुसाफिरी' दिखाएगी अनसुना भारतीय इतिहास

भारत की समृद्ध विरासत को देखने का नजरिया अब बदलने वाला है. बॉलीवुड अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा अपनी प्रोडक्शन कंपनी पुशिंग बटन्स स्टूडियोज के बैनर तले बनने वाली नई नॉन-फिक्शन सीरीज 'मुसाफिरी' के जरिए देश के इतिहास और संस्कृति की उन परतों को दर्शकों के सामने लाने की तैयारी में हैं, जिनके बारे में आमतौर पर बहुत कम चर्चा होती है. सीरीज का उद्देश्य सिर्फ ऐतिहासिक इमारतों, किलों, स्मारकों और खूबसूरत स्थानों को कैमरे में कैद करना नहीं है, बल्कि उनके पीछे छिपी कहानियों और उन लोगों को तलाशना है, जिनका योगदान इतिहास के पन्नों में अक्सर दबकर रह गया. इतिहास से उनका रिश्ता काफी पुराना है.

बचपन से ही इतिहास उनका पसंदीदा विषय रहा और समय के साथ किताबों के अध्ययन, यात्राओं तथा अलग-अलग लोगों से हुई मुलाकातों ने उनकी इस दिलचस्पी को और गहरा किया. इसी जिज्ञासा ने उन्हें ऐसी सीरीज बनाने के लिए प्रेरित किया, जिसमें भारत को केवल उसके प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों के जरिए नहीं, बल्कि वहां रहने वाले लोगों और उनसे जुड़ी स्मृतियों के जरिए भी समझने की कोशिश की जाए.

मुसाफिरी' में देश के अलग-अलग हिस्सों की यात्रा करते हुए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले स्थानों को नए नजरिए से पेश किया जाएगा. सीरीज में स्थानीय लोगों की आवाज, उनके अनुभव, सदियों पुरानी परंपराएं और उन स्थानों से जुड़े दिलचस्प किस्से कहानी को आगे बढ़ाएंगे. इस तरह दर्शकों को इतिहास का ऐसा रूप देखने को मिलेगा, जो केवल तारीखों और

सलमान ने खोला बिग बॉस 20 का पहला राज

रियलिटी टीवी के सबसे चर्चित शो 'बिग बॉस' की वापसी की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है. 'बिग बॉस हिंदी सीजन 20' का पहला टीजर सामने आते ही शो के नए सीजन को लेकर दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ गई है. जियोहॉटस्टार और कलर्स की ओर से जारी किए गए इस टीजर में शो के होस्ट सलमान खान का खास अंदाज देखने को मिल रहा है.

हालांकि, टीजर में सलमान की मौजूदगी से ज्यादा उनके एक रहस्यमयी संवाद ने दर्शकों का ध्यान खींचा है. टीजर में सलमान खान घोड़े के साथ शाही अंदाज में एंट्री करते दिखाई देते हैं. इसके बाद वह कहते हैं, 'जो करण अर्जुन में हुआ था, वो होगा अब बिग बॉस में... तथास्तु!' सलमान की इस लाइन ने नए सीजन की थीम और संभावित ट्विस्ट को लेकर कई तरह के कयासों को जन्म दे दिया है. निर्माताओं ने जानबूझकर टीजर में ऐसे विजुअल और संवाद रखे हैं, जिनके जरिए दर्शकों को सिर्फ संकेत दिया गया है, लेकिन पूरा राज नहीं खोला गया. 'करण अर्जुन' का संदर्भ सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस बार बिग बॉस के घर में ऐसा क्या होने वाला है, जिसे इस मशहूर फिल्म से जोड़ा गया है. क्या घर में दो ऐसे कंटेस्टेंट नजर आएंगे, जिनका आपस में कोई खास कनेक्शन होगा? या फिर शो की कहानी में कोई ऐसा ट्विस्ट आएगा, जो पूरे खेल का समीकरण बदल देगा? फिलहाल इन सवालों पर पर्दा पड़ा हुआ है.

सलमान खान ने भी नए सीजन को लेकर उत्सुकता बढ़ाते हुए कहा कि 'बिग बॉस' का हर सीजन नए खेल, नए रिश्ते और अप्रत्याशित मोड़ लेकर आता है, लेकिन इस बार कहानी के केंद्र में एक ऐसा रहस्य है, जो इसे पिछले सभी सीजन से अलग बनाएगा.

इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स के लिए वाईआरएफ की नई पहल

भारतीय मनोरंजन जगत में पांच दशक से अधिक समय से अपनी मजबूत पहचान बनाने वाला यश राज फिल्म्स अब स्वतंत्र संगीत की दुनिया में भी अपनी मौजूदगी को विस्तार देने जा रहा है. कंपनी ने नए संगीत व्यवसाय और प्रतिभा-विकास मंच 'राह रिकॉर्ड्स' के लॉन्च की घोषणा की है. इस पहल के जरिए वाईआरएफ का लक्ष्य मूल और स्वतंत्र कलाकारों को तलाशना, उन्हें विकसित करना तथा उनके लिए लंबे समय तक टिकाऊ रचनात्मक करियर तैयार करने में सहयोग देना है. वाईआरएफ ने भारतीय सिनेमा के कई यादगार और सदाबहार गीतों के जरिए देश के संगीत परिदृश्य को प्रभावित किया है. अब कंपनी इसी विरासत को फिल्मी संगीत से आगे ले जाने की तैयारी में है. 'राह रिकॉर्ड्स' को पारंपरिक संगीत लेबल से अलग एक ऐसे मंच के तौर पर तैयार किया गया है, जहां कलाकारों के साथ सिर्फ किसी एक गीत या अभियान के लिए नहीं, बल्कि उनके पूरे रचनात्मक सफर के लिए साझेदारी की जाएगी.

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षय विधानी ने 'राह रिकॉर्ड्स' को वाईआरएफ के संगीत व्यवसाय के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम बताया.

विदेश में रहकर भी संस्कार नहीं भूलीं प्रियंका चोपड़ा

बेटी मालती को सिखाया दुर्गा सप्तशती मंत्र

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी अलग पहचान बनाने वाली प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर अपने खास अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने के बावजूद प्रियंका का भारत और भारतीय संस्कृति से जुड़ाव लगातार देखने को मिलता है. वह विदेश में रहते हुए भी अपनी बेटी मालती मैरी को भारतीय परंपराओं और संस्कारों से परिचित कराने की कोशिश करती हैं. अब सोशल मीडिया पर सामने आया उनका एक वीडियो इसी वजह से लोगों का ध्यान खींच रहा है.

वायरल वीडियो में प्रियंका चोपड़ा अपनी बेटी मालती मैरी को श्री दुर्गा सप्तशती का पावन मंत्र सिखाती नजर आ रही हैं. वह मालती के साथ 'सर्वमङ्गल माङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके. शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तु ते॥' मंत्र का उच्चारण करती दिखाई देती हैं. मां-बेटी के इस खूबसूरत पल को देखकर फैंस काफी खुश हैं और सोशल मीडिया पर प्रियंका की तारीफ कर रहे हैं.

स्पाइडर-मैन फेम मैरी रिवेरा का 82 की उम्र में निधन

मार्वल की सुपरहीरो फिल्म 'स्पाइडर-मैन' में नेड लीड्स की दादी का यादगार किरदार निभाने वाली अभिनेत्री मैरी रिवेरा का निधन हो गया है. अभिनेत्री ने 82 वर्ष की उम्र में दुनिया को अलविदा कहा. हवाई की रहने वाली मैरी रिवेरा भले ही पर्दे पर सिर्फ एक बार नजर आईं, लेकिन अपने सहज अभिनय, स्नेही व्यक्तित्व और शानदार हास्य अंदाज के कारण उन्होंने दर्शकों के बीच खास छाप छोड़ी. खासकर मार्वल फिल्मों के प्रशंसकों के बीच उनके किरदार को काफी पसंद किया गया. मैरी रिवेरा को स्ट्रोक आया था, जिसके बाद वह कोमा में चली गई थीं. उनकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने परिवार को उनके स्वस्थ होने की संभावना बेहद कम होने की जानकारी दी.

टेलीविजन हलचल

हस्तिनापुर के वीर' सितारों ने मनाया याराना

सोनी सब का शो 'हस्तिनापुर के वीर' जहां पांडवों और कौरवों के बचपन की अनकही कहानियों और रिश्तों को पर्दे पर पेश करता है, वहीं इसके युवा कलाकारों के बीच ऑफ-स्क्रीन दोस्ती भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। फ्रेंडशिप डे के मौके पर शो की युवा कास्ट ने शूटिंग से समय निकालकर सेट पर दोस्ती का जश्न मनाया. कलाकारों ने एक-दूसरे को फ्रेंडशिप बैंड बांधे, चॉकलेट्स बांटीं और साथ में यादगार पल बिताए. लंबे समय तक एक साथ शूटिंग करने से कलाकारों के बीच मजबूत दोस्ती और बेहतर तालमेल बना है. शो में अर्जुन का किरदार निभा रहीं उर्वा सावलिया ने कहा कि शूटिंग का सबसे खास हिस्सा अपने दोस्तों के साथ समय बिताना है. उन्होंने बताया कि कलाकार साथ में रिहर्सल करते हैं, शॉट्स के बीच खेलते हैं और एक-दूसरे की मदद करते हैं. फ्रेंडशिप डे पर उन्होंने सभी कलाकारों के साथ फ्रेंडशिप बैंड और चॉकलेट्स साझा कीं. युधिष्ठिर की भूमिका निभा रहे अथर खान ने कहा कि सेट पर सभी कलाकार एक बड़े परिवार की तरह हैं. उन्होंने कहा कि कैमरा ऑन होने पर वे अपने-अपने किरदार निभाते हैं, लेकिन कैमरा बंद होते ही सभी साथ मिलकर हंसी-मजाक करते हैं और एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाते हैं. नकुल का किरदार निभा रहे हरित गबानी ने कहा कि सेट पर सभी के साथ समय बिताना बेहद खास अनुभव है. उन्होंने कहा कि चाहे खेल खेलना हो, बातचीत करना हो या शूटिंग के बीच साथ बैठना, हर पल यादगार बन जाता है.

कृषि जगत

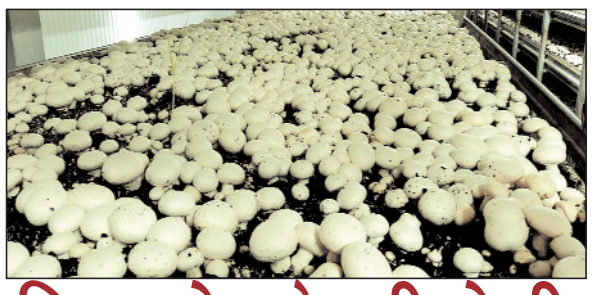

बिना खेत के भी होगी मशरुम की खेती

अगर आपके पास खेती करने के लिए बड़ा खेत नहीं है, लेकिन कृषि से कमाई करना चाहते हैं, तो मशरूम की खेती आपके लिए एक विकल्प हो सकती है। इस खेती की सबसे खास बात यह है कि इसे खुले खेत के बजाय नियंत्रित वातावरण में किया जा सकता है. यानी किसान या युवा अपने घर के खाली कमरे, पुराने शेड, गैराज या ऐसी किसी जगह का इस्तेमाल कर सकते हैं, जहां तापमान, नमी और साफ-सफाई का उचित प्रबंधन किया जा सके.

मशरूम की खेती के लिए सबसे पहले उपलब्ध जगह का सही इस्तेमाल करना जरूरी है. वर्टिकल फार्मिंग की तकनीक के तहत रैक के कई स्तर बनाए जा सकते हैं. इससे फर्श की सीमित जगह में कई बैग या उत्पादन इकाइयां व्यवस्थित की जा सकती हैं और उपलब्ध स्थान का बेहतर इस्तेमाल होता है.

मशरूम की खेती में खुले खेत की तरह मिट्टी की जरूरत नहीं होती. इसकी खेती के लिए विशेष माध्यम तैयार किया जाता है, जिसमें मशरूम की किस्म के अनुसार उपयुक्त सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है. तैयार माध्यम में स्पॉन यानी मशरूम का बीज डाला जाता है. इसके बाद बैग या निर्धारित कंटेनर को नियंत्रित वातावरण में रखा जाता है, जहां नमी और तापमान का विशेष ध्यान रखना पड़ता है.

इस खेती में स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है. कमरे, रैक, उपकरण और उत्पादन सामग्री को साफ रखना जरूरी है, क्योंकि गंदगी या संक्रमण से फसल प्रभावित हो सकती है. इसके अलावा कमरे में पर्याप्त वेंटिलेशन होना भी जरूरी है. अलग-अलग मशरूम की किस्मों के लिए तापमान और नमी की जरूरत अलग हो सकती है, इसलिए शुरुआत करने से पहले चुनी गई किस्म की वैज्ञानिक खेती की जानकारी हासिल करनी चाहिए.

मशरूम फार्मिंग शुरू करने से पहले बाजार की जानकारी हासिल करना भी उतना ही जरूरी है. आसपास के सब्जी बाजार, होटल, रेस्टोरेंट, किराना दुकानों और स्थानीय ग्राहकों से मांग की जानकारी ली जा सकती है.

घर के गार्डन में कैसे उगाएं परवल की बेल

घर के किचन गार्डन में अगर आप सिर्फ सजावटी पौधों के बजाय ऐसी सब्जियां उगाना चाहते हैं, जिन्हें रोजमर्रा की रसोई में इस्तेमाल किया जा सके, तो परवल की बेल एक अच्छा विकल्प हो सकती है. परवल को आमतौर पर खेतों में उगाया जाता है, लेकिन इसे सीमित जगह में भी लगाया जा सकता है.

इसके लिए बड़े खेत की जरूरत नहीं होती. घर की छत, आंगन, बालकनी या किचन गार्डन में पर्याप्त जगह और धूप उपलब्ध हो तो इसे गमले में भी उगाया जा सकता है. परवल लगाने के लिए सही समय का ध्यान रखना जरूरी है. आमतौर पर फरवरी से अप्रैल के बीच इसे लगाने का समय उपयुक्त माना जाता है. कुछ क्षेत्रों में मौसम और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अन्य समय पर भी इसकी शुरुआत की जाती है. घर के गार्डन में परवल लगाने के लिए बीज की तुलना में स्वस्थ बेल की कटिंग का इस्तेमाल आसान तरीका हो सकता है. इसके लिए स्वस्थ परवल की बेल से करीब 25-30 सेंटीमीटर लंबी कटिंग ली जा सकती है. कटिंग में कम से कम 3-4 गांठें होनी चाहिए.

बारिश में दालों की फसल बचाने के लिए अपनाएं ये उपाय

मानसून का समय दलहनी फसलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है. इस मौसम में जहां बारिश से पौधों को प्राकृतिक नमी मिलती है, वहीं ज्यादा पानी और लगातार नमी फसल के लिए नुकसानदायक भी साबित हो सकती है.

अरहर, मूंग, उड़द जैसी दलहनी फसलों में अच्छी पैदावार के लिए किसानों को शुरुआत से ही खेत प्रबंधन पर ध्यान देना जरूरी है. दलहनी फसलों की सबसे बड़ी जरूरत है कि खेत में जल निकासी की अच्छी व्यवस्था हो. बारिश के दौरान यदि खेत में लंबे समय तक पानी जमा रहता है तो पौधों की जड़ें प्रभावित हो सकती हैं. इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं और उनकी वृद्धि रुक सकती है. इसलिए किसान खेत की मेड़ों और नालियों की समय-समय पर जांच करते रहें, ताकि अतिरिक्त पानी आसानी से बाहर निकल सके. मानसून में खरपतवार तेजी से बढ़ते हैं.

बारिश में बकरियों को बीमारियों से बचाएं

मानसून का मौसम बकरी पालन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है. बारिश के दौरान हरे चारे की उपलब्धता बढ़ जाती है, जिससे पशुपालकों को कुछ राहत मिलती है, लेकिन दूसरी ओर लगातार नमी और गंदगी बकरियों की सेहत के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है. इस मौसम में शेड की सफाई, सूखा फर्श, स्वच्छ पानी और संतुलित आहार पर विशेष ध्यान देना जरूरी है.

सबसे पहले बकरियों के शेड को बारिश से सुरक्षित रखें. छत से पानी टपकता हो तो उसकी मरम्मत कराएं और शेड के आसपास पानी जमा न होने दें. फर्श पर लगातार नमी रहने से बकरियों के पैरों और खुरों में संक्रमण या दूसरी समस्याएं हो सकती हैं. इसलिए फर्श को यथासंभव सूखा रखने के लिए नियमित सफाई और उचित जल निकासी की व्यवस्था जरूरी है. गीला बिछावन तुरंत हटाकर सूखी सामग्री डालनी चाहिए. बारिश में शेड पूरी तरह बंद कर देना भी सही नहीं है. पर्याप्त हवादार व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि अंदर नमी और दुर्गंध जमा न हो.

हालांकि तेज बारिश और ठंडी हवाओं से बकरियों को बचाना भी जरूरी है. खान-पान पर विशेष ध्यान दें. मानसून में बाहर से लाया गया हरा चारा बारिश से भीगा हुआ या सड़ा हुआ हो तो उसे बकरियों को न खिलाएं. गीला और खराब चारा पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है. चारे को साफ और सूखी जगह पर रखें.

यंग इंडिया

ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका की यूनिवर्सिटी भारत में खोलेंगी कैंपस

भारत के उच्च शिक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव होने जा रहा है. अब विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई करने का सपना देखने वाले छात्रों के लिए विदेश जाना ही एकमात्र रास्ता नहीं रहेगा. प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस खोलने की प्रक्रिया को तेज करते हुए 15 विदेशी विश्वविद्यालयों को कुल 16 लेटर ऑफ इंटेंट जारी किए हैं.

शिक्षा राज्यमंत्री सुकांता मजूमदार ने लोकसभा में लिखित जवाब के जरिए यह जानकारी दी. विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत आने से देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय विकल्पों का विस्तार होगा. यूजीसी के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन और इटली की कई प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटियां भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं. इन

संस्थानों के आने से भारतीय छात्रों को अपने देश में रहते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा हासिल करने का अवसर मिल सकेगा.

इस पहल का सबसे बड़ा फायदा उन छात्रों को मिलने की उम्मीद है, जो विदेशी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करना चाहते हैं, लेकिन विदेश में रहने और पढ़ाई का खर्च उनके लिए बड़ी चुनौती बन जाता है. भारत में ही विदेशी विश्वविद्यालय का कैंपस खुलने से छात्रों को ट्यूशन फीस के अलावा विदेश में रहने, आने-जाने और अन्य खर्चों से भी राहत मिल सकती है. साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक माहौल और वैश्विक स्तर के पाठ्यक्रमों से जुड़ने का अवसर मिलेगा. नई शिक्षा व्यवस्था में तेजी से उभर रहे क्षेत्रों को भी इस पहल से फायदा मिलने की उम्मीद है.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस, तकनीक और अन्य आधुनिक क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने के इच्छुक छात्रों के लिए पढ़ाई के नए विकल्प सामने आ सकते हैं. वैश्विक स्तर पर इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ भारत में भी इनकी मांग लगातार बढ़ रही है. विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत में कैंपस स्थापित करने से सिर्फ छात्रों को ही लाभ नहीं होगा, बल्कि देश के उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच प्रतिस्पर्धा और सहयोग भी बढ़ सकता है. अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के आने से भारतीय विश्वविद्यालयों को भी अपने पाठ्यक्रम, शोध, शिक्षण पद्धति और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रेरणा मिल सकती है.

आरआरबी परीक्षा में सफलता के लिए इन विषयों पर दें ध्यान

रेलवे भर्ती बोर्ड यानी आरआरबी की परीक्षाएं देश की सबसे लोकप्रिय प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हैं. रेलवे में सरकारी नौकरी की स्थिरता और करियर के अवसरों को देखते हुए हर साल बड़ी संख्या में अभ्यर्थी इन परीक्षाओं की तैयारी करते हैं. ऐसे में सफल होने के लिए उम्मीदवारों को शुरुआत से ही सही विषयों पर फोकस करने के साथ अपनी व्यक्तिगत स्किल्स को भी मजबूत करना चाहिए. आरआरबी की अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं में पद के अनुसार परीक्षा पैटर्न और विषयों में अंतर हो सकता है. इसलिए उम्मीदवार को सबसे पहले जिस पद के लिए आवेदन किया है, उसके आधिकारिक पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न को समझना चाहिए. सामान्य तौर पर गणित, रीजनिंग, सामान्य जागरूकता और सामान्य विज्ञान जैसे विषयों की तैयारी पर विशेष ध्यान देना उपयोगी रहता है.

गणित में प्रतिशत, अनुपात, औसत, लाभ-हानि, साधारण और चक्रवृद्धि ब्याज, समय और कार्य, समय-दूरी, संख्या पद्धति, डेटा इंटरप्रिटेशन जैसे टॉपिक्स पर पकड़ मजबूत करनी चाहिए. सिर्फ फॉर्मूले याद करने के बजाय प्रश्नों को कम समय में हल करने का अभ्यास करना जरूरी है. रीजनिंग में कोडिंग-डिकोडिंग, सीरीज, समानता, दिशा ज्ञान, रक्त संबंध, सिल्लॉजिज्म, पहेली और कथन-निष्कर्ष जैसे टॉपिक्स पर नियमित अभ्यास किया जा सकता है. इस सेक्शन में गति और तार्किक सोच दोनों महत्वपूर्ण होती हैं. सामान्य जागरूकता के लिए देश-दुनिया की प्रमुख घटनाओं, भारतीय इतिहास, भूगोल, संविधान, अर्थव्यवस्था, खेल, पुरस्कार और महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं से जुड़े विषयों पर नजर रखना चाहिए.

जानिए यूपी नीट काउंसलिंग के नियम में क्या है बदलाव

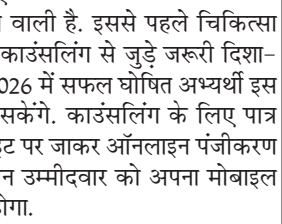

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक 2026 के जरिए एमबीबीएस और बीडीएस में दाखिले की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अहम खबर है. राज्य कोटे की 85 फीसदी सीटों पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है. इससे पहले चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय ने काउंसलिंग से जुड़े जरूरी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं. नीट यूजी 2026 में सफल घोषित अभ्यर्थी इस काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे. काउंसलिंग के लिए पात्र अभ्यर्थियों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण पूरा करना होगा. पंजीकरण के दौरान उम्मीदवार को अपना मोबाइल नंबर और ईमेल पता देना अनिवार्य होगा.

राजस्थान में बिजली विभाग में बंपर भर्ती

राजस्थान में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी भर्ती का रास्ता खुल गया है. राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड ने राज्य की पांच प्रमुख बिजली कंपनियों में कुल 2,005 पदों पर भर्ती का ऐलान किया है.

इस भर्ती के तहत जूनियर इंजीनियर-I, जूनियर अकाउंटेंट और जूनियर असिस्टेंट/कमर्शियल असिस्टेंट-II के पदों को भरा जाएगा. ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 5 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे से शुरू होगी. इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी 25 अगस्त 2026 की रात 12 बजे तक आवेदन कर सकेंगे. भर्ती में सबसे ज्यादा 869 पद जूनियर इंजीनियर-द्व के हैं. इनमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 727, मैकेनिकल के 110 और सिविल इंजीनियरिंग के 32 पद शामिल हैं. इसके अलावा जूनियर असिस्टेंट/कमर्शियल असिस्टेंट-II के 765 और जूनियर अकाउंटेंट के 371 पद निर्धारित किए गए हैं.